125 YEARS OF HINDU COLLEGE

Poised at the threshold of 125 years of its existence, Hindu College, which was started with thirteen students and six teachers in 1899, has now grown into one of the most coveted higher education institutions in the country with more than 4,000 students and 200 teachers, offering undergraduate courses in 19 disciplines and post-graduate programmes in 14 disciplines in humanities, science, and commerce. Apart from these, the College also offers student exchange programmes, certificate and add-on courses in various disciplines-many of these initiatives are in collaboration with reputed foreign institutions and universities such as NUS, Singapore, King's College London. York University, U.K. to name a few. Hindu College faculty are not only accomplished academicians and scholars but also dedicated researchers who are involved with several major research projects sponsored by government agencies such as DRDO, Asian Development Bank, SERB, ICSSR, etc.

Today Hindu College holds an exemplary position amongst the various educational institutions in our country. The college secures top rankings in India. Today College Rankings and is placed 2nd in NIRF, and it has also received an A+ Grade from NAAC in Cycle I.

The college offers several scholarships to young meritorious students from socially underprivileged sections to help them in their pursuit of a quality higher education. The college also provides hostel facilities to both its male and female students. It holds remedial classes for those students who need more than the regular lectures and tutorials to accomplish their learning goals. There is also a student-faculty mentoring system wherein a small group of students are allocated to a faculty mentor who advices them and counsels them about their curricular progress and career options and also ensures that the right help is always made available to them.

Today, Hindu College continues to take new strides into the future with a vision that combines the inherited legacy and an understanding of the challenges of the contemporary world. The College has made rapid strides in developing and upgrading its infrastructure in the last few years, thanks to self-financing mode and, generous contributions from philanthropists and alumni. The College has added a new Centre for Interdisciplinary Research, a state-of-the-art auditorium, a new academic block covering about 58,000 sq. ft. which includes science labs, lecture theatres, and seminar rooms, and a new amphitheatre named Utsav, built in the Romanic style, to its list of world-class facilities. Hindu College has been selected by the MoE to set up the Hindu Innovation Council, where student-teacher teams are working on new and innovative ideas that require support to be transformed into prototypes. This initiative is aimed at encouraging the local innovation ecosystem, and the setting up of the research centre will further facilitate the pursuit of research and development at the institutional level. The College is also building a new state-of-the-art library where students and faculty members will have access to world-class research infrastructure and access to lakhs of books and journals from all over the world.

Hindu College is quickly adapting to new-age infrastructure and e-resource needs for the benefit of its students and faculty members. Its emphasis on research and digitization speaks volumes about its futuristic vision, and it can be unarguably stated that Hindu College is well prepared and committed to take on the challenges of the present and the future, and to carry forward its illustrious legacy of being one of finest centres of higher education in the country.

Department of Posts is delighted to issue Commemorative Postage Stamp on 125 Years of Hindu College and appreciates its contribution in national development by providing remarkable alumni's that leads from the front in various fields.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure	:	Sh. Jairaj T.G.
Cancellation Cachet	:	Sh. Jairaj T.G.
Text	:	Referenced from content provided by Proponent



'हिन्दू कॉलेज के 125 वर्ष'

1899 में तेरह छात्रों और छह शिक्षकों के साथ शुरू किया गया हिन्दू कॉलेज, आज देश की सर्वाधिक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थाओं में से एक हैं। इस वर्ष यह कॉलेज अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूरे करने जा रहा हैं। वर्तमान में 4,000 से अधिक छात्रों और 200 से अधिक शिक्षकों वाला यह कॉलेज मानविकी, विज्ञान और वाणिज्य के 19 विषयों में स्नातक पाठ्यक्रम और 14 विषयों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम चला रहा हैं। इसके अलावा, यह कॉलेज विभिन्न विधाओं में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, प्रमाण–पत्र (सर्टीफिकेट) पाठ्यक्रम और ऐड–ऑन पाठ्यक्रम भी संचालित करता हैं। ये विविध कार्यक्रम एनयूएस, सिंगापुर, किंग्स कॉलेज, लदंन, यॉर्क यूनिवर्सिटी, यू.के. जैसी प्रतिष्ठित विदेशी संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के सहयोग से चलाए जा रहे हैं। हिन्दू कॉलेज के शिक्षकगण, न केवल सुप्रतिष्ठित अकादमिक विशेषज्ञ एवं विद्वान हैं बल्कि वे समर्पित अनुसंधानकर्ता भी हैं, जो डीआरडीओ, एशियन डेवलपमेंट बैंक, एसईआरबी, आईसीएसएसआर आदि जैसी सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं पर भी कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान में, देश की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में हिन्दू कॉलेज का एक विशिष्ट स्थान हैं। यह कॉलेज, 'इंडिया टुडे कॉलेज रैंकिंग' में सर्वश्रेष्ठ रैकिंग बनाए हुए हैं और इसे, राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ हैं। साथ ही, इसे नैक द्वारा चरण–। में ए+ग्रेड प्रदान किया गया हैं।

हिन्दू कॉलेज, समाज के वंचित वर्गों के मेधावी युवा छात्रों को विभिन्न छात्रवृतियां भी प्रदान करता हैं, ताकि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में उन्हें मदद मिल सके। हिन्दू कॉलेज, अपने छात्रों और छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा भी मुहैंया कराता हैं। साथ ही यह कॉलेज, ऐसे सभी छात्रों के लिए रेमेडियल (सुधारात्मक) कक्षाएं भी आयोजित करता हैं, जिन्हें अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नियमित लेक्चर एवं शिक्षण के साथ–साथ अतिरिक्त कक्षाओं की आवश्यकता होती हैं। हिन्दू कॉलेज में छात्र–शिक्षक मार्गदर्शन कार्यक्रम की भी व्यवस्था की गई हैं, जिसके अंतर्गत एक शिक्षक परामर्शदाता को छात्रों का एक छोटा–सा समूह आवंटित किया जाता हैं, जो उन्हें पाठ्यक्रम की प्रगति और करियर विकल्प के संबंध में सलाह एवं सुझाव देता हैं। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाता हैं कि छात्रों को हमेशा सही मदद मिलती रहे।

आज, हिन्दू कॉलेज भविष्य का रुख करके एक ऐसे विजन के साथ अग्रसर हैं, जो न केवल इसकी समृद्ध परंपराओं के अनमोल ज्ञान बल्कि समकालीन विश्व के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों की गहरी समझ से भी परिपूर्ण हैं। विगत कुछ वर्षों के दौरान, कॉलेज ने स्व–वित्तपोषण के माध्यम से अपने इंफ्रास्टक्चर को तेजी से विकसित कर उन्नत बनाया हैं। इसका श्रेय समाज–सेवियों और इस कॉलेज के पूर्व छात्रों द्वारा किए गए उदार सहयोग को जाता हैं। हिन्दू कॉलेज द्वारा प्रदान की जाने वाली विश्वस्तरीय सुविधाओं की सूची में अंतर्विषयक शोध हेतु एक नया केंद्र, एक अत्याधुनिक ऑडिटोरियम तथा लगभग 58,000 वर्ग फुट में फैला एक नया शैक्षणिक ब्लॉक शामिल हैं, जिसमें विज्ञान प्रयोगशालाएं, लेक्चर थिएटर और सेमिनार कक्ष के साथ–साथ रोमन शैली में निर्मित 'उत्सव' नाम का एक नया एम्फीथिएटर भी मौजूद हैं। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'हिन्दू नवोन्मेष परिषद' की स्थापना हेतु हिन्दू कॉलेज का चयन किया गया हैं, जहां छात्र–शिक्षक समूह मिलकर ऐसे नए और अभिनव विचारों पर काम कर रहे हैं, जिन्हें प्रोटोटाइप में बदलने के लिए सहयोग की आवश्यकता हैं। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य 'स्थानीय नवाचार तंत्र' (इको–सिस्टम) को प्रोत्साहित करना तथा अनुसंधान केंद्र की स्थापना करना हैं, जिससे संस्थागत स्तर पर अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) के विस्तार में सहायता मिलेगी। कॉलेज में एक नया अत्याधुनिक पुस्तकालय भी बनाया जा रहा हैं, जहां छात्रों और शिक्षकगणों को शोध हेतु विश्वस्तरीय इंफ्रास्टक्चर और दुनिया भर से संजोई गई लाखों पुस्तकें और जर्नल प्राप्त हो सकेंगे।

हिन्दू कॉलेज, अपने छात्रों और शिक्षकों हेतु अत्याधुनिक इंफ्रास्टक्चर और ई–रिसोर्स को तेजी से अपना रहा हैं। अनुसंधान और डिजिटलीकरण पर जोर इसके भविष्योन्मुखी विजन का द्योतक हैं। निःसंदेह ही यह कॉलेज वर्तमान और भविष्य से संबंधित चुनौतियों का सामना करने के लिए पूर्णतः तैयार और प्रतिबद्ध हैं और देशभर में उच्च शिक्षा के क्षेत्र के सर्वोत्कृष्ट केंद्रों में से एक होने की अपनी शानदार परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।

डाक विभाग, हिन्दू कॉलेज के 125 वर्ष पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता हैं और राष्ट्र के विकास की दिशा में इस कॉलेज के योगदान की प्रशंसा करता हैं, जिसके यशस्वी पूर्व छात्र आज विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व के पदों पर अग्रगामी भूमिका निभा रहे हैं।

आभार :

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका : श्री जयराज टी.जी.

विरूपण कैशे : श्री जयराज टी.जी.

पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त सामग्री के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक टिकटें	: 302200
Stamps Printed	: 302200
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

©Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00